मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

12 अप्रैल, 2024

प्रोफेसरअखिलेशकुमारसिंह कोमिलामुक्तविश्वविद्यालय के कुलपति का चार्ज

eqDrfofo ds uofu;qDrdqyifr izks0 vf[kys'kdqekjflag thdksiq"ixqPNHksaVdjmudkLokxrdjrhgqbZ

eqDrfofo ds uofu;qDrdqyifr izks0 vf[kys'kdqekjflag thdksiq"ixqPNHksaVdjmudkLokxrdjrsgq, dqylfpoduZyfou; dqekj ,oainHkkjxzg.kdjrsgq, dqyifr izks0

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति के पद का दायित्वप्रोफेसरराजेंद्र सिंह रज्जूभैयाविश्वविद्यालय के कुलपतिप्रोफेसरअखिलेशकुमार सिंह कोसौंपागयाहै। यह आदेशआजराजभवन से जारीहुआ।प्रोफेसर सिंह ने आज शामदिनांक 13 अप्रैल, 2024 कोमुक्तविश्वविद्यालय के कुलपति का पदभारग्रहणकरलिया।

सभी के सहयोग से विश्वविद्यालय के विकास के लिए कार्यकरेंगे– प्रो0

इससेपूर्वविश्वविद्यालय की निवर्तमानकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह का 3 वर्ष का कार्यकालआजपूराहोगया।आज से 3 वर्षपूर्व 13 अप्रैल 2021 कोकोरोनाकालमेंउन्होंनेविश्वविद्यालय के कुलपति पद के चुनौतीपूर्णदायित्वकोसंभालाथा।आजविश्वविद्यालय परिवार ने उन्हेंभारीमन से विदाकिया।हंसमुख स्वभाव की प्रोफेसरसीमा सिंह ने विश्वविद्यालय के प्रत्येकसदस्य के दिलोंपर राज किया।प्रोफेसर सिंह का 3 वर्ष का कार्यकालउपलब्धियां से भरारहा।प्रोफेसर सिंह के नेतृत्वमेंविश्वविद्यालय ने नैक की ग्रेडिंगप्राप्तकी।प्रोफेसर सिंह कोमुक्तविश्वविद्यालय की पहलीमहिलाकुलपतिबनने का गौरवप्राप्तहुआ।विश्वविद्यालय का रजतजयंतीवर्षप्रोफेसर सिंह के कुलपतित्वकालमेंधूमधाम से आयोजितकियागया।प्रोफेसरसीमा सिंह के सत्प्रयासों से राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागूकरनेवालापहलामुक्तविश्वविद्यालय बना।कोरोनाकालमेंजबजीवनचर्याअवरुद्ध थीतबप्रोफेसर सिंह ने ऑनलाइन एजुकेशन के माध्यम से दूरस्थशिक्षा पद्धतिकोनईपहचानदिलाई।भारतसरकार द्वारादूरस्थशिक्षा प्रणालीकोपरंपरागतशिक्षा प्रणाली के समकक्ष मान्यतादेने के बादमुक्तविश्वविद्यालय के शैक्षिककार्यक्रमों की लोकप्रियतामेंवृद्धि हुई।प्रोफेसर सिंह के निरंतरमार्गदर्शन एवंउत्साहवर्धन से विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने स्मार्टक्लास के माध्यम से छात्रों की कईजिज्ञासाओं का समाधानकिया।प्रोफेसर सिंह के निर्देशनमेंविश्वविद्यालय ने सामाजिकसरोकारोंमेंभीमहत्वपूर्णभूमिकानिभाई।विश्वविद्यालय ने कईगांवोंकोगोदलेकरवहां की महिलाओंकोशिक्षितकरने का बीड़ाउठायाऔरउन्हेंआत्मनिर्भरबनाने के लिए गांवमेंकैंपआयोजितकिए।सरलता की प्रतिमूर्तिप्रोफेसर सिंह न केवलछात्रों के बीचवरनकर्मचारी एवंशिक्षकों के बीचमेंभीकाफीलोकप्रिय रहीं।विश्वविद्यालय की बेहतरी के लिए उन्होंनेहमेशाअच्छेविचारों का स्वागतकिया।कर्मचारी एवंशिक्षकों के हितमेंउन्होंनेकईमहत्वपूर्णनिर्णय लिए।आज शामकोउन्होंनेरज्जूभैयाविश्वविद्यालय के कुलपतिप्रोफेसरअखिलेशकुमार सिंह कोकुलपति पद का चार्जदिया। इस अवसरपरकुलसचिवकर्नलविनय कुमार, परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह, प्रोफेसरपीपीदुबे, प्रोफेसरराजकुमारगुप्ता, प्रोफेसरसत्यपालतिवारी, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसरपी के स्टालिन, प्रोफेसरपी के पांडेय, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, प्रोफेसरविनोदकुमारगुप्ता, प्रोफेसरश्रुति, प्रोफेसरसंजय सिंह, प्रोफेसरश्रुति, प्रोफेसरमीरापाल, डॉ रामजनममौर्य, डॉ दिनेश सिंह, डॉ0सतीशचन्द्रजैसलआदिउपस्थितरहे।

eqDrfofo ds
uofu;qDrdqyifr izks0
vf[kys'k flag th
,oa
iwoZdqyifr izks0 lhek
flag thdks
iq"ixqPNHksaVdj
mudkLokxr
djrsgq,
dqylfpoduZyfou;
dqekj

eqDrfofo ds uofu;qDrdqyifr izks0 vf[kys'kdqekj flag thdksvaxoL=k ,oaiq"ixqPNHksaVdjmudkLokxr

iwoZdqyifr izks0 lhek flag thdksvaxoL=k ,oaiqLrdHksaVdjmudklEekudjrsgq,eqDrfofo ds uofu;qDrdqyifr izks0

iwoZdqyifr izks0 lhek flag thdksLe`frfpUgHksaVdjmudklEekudjrsgq, eqDrfofo ds uofu;qDrdqyifr izks0 vf[kys'kdqekjflag th

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

14 अप्रैल, 2024

मुक्तविश्वविद्यालय मेंमनायागयाभारतरत्न डॉ भीमरावअम्बेडकरजी का जन्मदिवस

भारतरत्न डॉ भीमरावअम्बेडकरजी के चित्र परमाल्यार्पणकरतेहुए कुलसचिवकर्नलविनय कुमार एवंविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजद्वारादिनांक 14 अप्रैल, 2024कोभारतरत्न डॉ भीमरावअम्बेडकर के जन्मदिवसमनायागया।इस अवसरपरविश्वविद्यालय परिवार के सदस्योंने बाबासाहब के चित्र परपुष्पअर्पणकरकेउन्हें श्रद्धा सुमनअर्पितकिए।

मुक्त चिन्तन

23 अप्रैल, 2024

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के अटलप्रेक्षागृहमें 23 अप्रैल 2024 कोलोकतंत्र के महापर्वचुनाव के अवसरपरमतदानको बढ़ावादेने के लिए राष्ट्र का उत्थानः प्रबलमतदानविषय परव्याख्यान का आयोजनकियागया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रख्यातशिक्षाविद् प्रोफेसरसीमा सिंह, पूर्वकुलपति, उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज एवंविशिष्टअतिथिरेलवे के अवकाशप्राप्तवरिष्ठअधिकारीश्री यू0 के0 सिंह रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षताप्रोफेसरअखिलेशकुमार सिंह, माननीय कुलपति, उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की।

कार्यक्रमसंयोजकप्रोफेसरसंतोषाकुमार, निदेशक, समाजविज्ञानविद्या शाखा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुतकी।अतिथियों का स्वागतआयोजनसचिवप्रोफेसरसंजय कुमार सिंह ने किया।कार्यक्रम का संचालनप्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय, निदेशक, शोध एवंविकास प्रकोष्ठ नेकिया।धन्यवादज्ञापनप्रोफेसरअजेंद्रकुमारमलिक, विज्ञानविद्या शाखा ने किया।कार्यक्रम का प्रारम्भविश्वविद्यालय कुलगीत एवंअतिथियों द्वारादीपप्रज्ज्वलितकरकियागया।

कार्यक्रम के प्रारंभमेंअतिथियों का स्वागतकुलसचिवकर्नलविनय कुमार ने किया।विषय प्रवर्तनकरतेहुए प्रोफेसरसंतोषाकुमार ने मतदान की अनिवार्यता के साथहीपूर्वकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह के तीनवर्षों के कार्यकाल की सराहनाकी।

कार्यक्रममेंप्रोफेसर पी0 पी0दुबे, निदेशक, कृषिविज्ञानविद्या शाखा ने पूर्वकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह द्वाराविश्वविद्यालय एवंसमाज के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रशस्तिपत्र का वाचनकिया।

इस अवसरपरकुलपतिकार्यालय, कुलसचिवकार्यालय, वित्तअधिकारीकार्यालय, परीक्षा विभाग, पाठ्यसामग्रीअनुभाग, शोधअनुभाग क्षेत्रीय केन्द्र एवंसमस्तविद्या शाखाओं ने पूर्वकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह का फूलमालाओं, स्मृतिचिन्ह एवंपोर्ट्रेटदेकरसम्मानितकिया।

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए शोध एवंविकासप्रकोष्ठ के निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय

दीपप्रज्ज्वलितकरकार्यक्रम का शुभारम्भकरतेहुए माननीय अतिथिगण

विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुती

ekuuh; dqyifr izks0 vf[kys'kdqekjflag thdksiq"ixqPNHksaVdjmudkLokxrdjrsgq,

ekuuh;kiwoZdqyifr izks0 lhek flag thdksiq"ixqPNHksaVdjmudkLokxrdjrhgqbZ izks0 ehjkiky ,oa fof'k"VvfrfFkJh ;w-ds- flag thdksiq"ixqPNHksaVdjmudkLokxrdjrsgq, MkW0 fnus'k

अतिथियों का स्वागतकरतेहुए कुलसचिवकर्नलविनय कुमार

कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुतकरतेहुए कार्यक्रमसंयोजकप्रोफेसरसंतोषाकुमार, निदेशक, समाजविज्ञानविद्या शाखा

पूर्वकुलपतिप्रोफेसरसीमासिंह द्वाराविश्वविद्यालय एवंसमाज के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रशस्तिपत्र का वाचनकरतेहुए निदेशक, कृषिविज्ञानविद्या शाखा, प्रोफेसर पी0 पी0दुबे,

iwoZdqyifr izks0 lhek flag thdksiz'kfLr&i=k HksaVdjrsgq, ekuuh; dqyifr izks0 vf[kys'kdqekj

iwoZdqyifr izks0 lhek flag thdks vaxoL=k HksaVdj mudk lEeku djrsgq, ekuuh; dqyifr izks0 vf[kys'kdqekjflag th

iwoZdqyifr izks0 lhek flag thdks gfjrQy ,oaLe`frfpUgHksaVdjmudklEekudjrsgq , ekuuh; dqyifr izks0 vf[kys'kdqekjflag th

ekuuh; dqyifr
izks0
vf[kys'kdqekjflag
th
dks
vaxoL=k
HksaVdj
mudk
lEeku
djrsgq,
ijh{kk fu;a=kd
Jh Mh0ih0 flag

ekuuh; dqyifr izks0
vf[kys'kdqekj flag th
dksgfjrQy
,oaLe`frfpUgHksaVdjmudklEe
kudjrsgq, ijh{kk fu;a=kd
Jh Mh0ih0 flag

fof'k"VvfrfFkJh ;w-ds- flag th dksvaxoL=k] gfjrQy ,oaLe`frfpUgHksaVdj mudklEekudjrsgq, foRrvf/kdkjhJh'kf'kHkw"k.kflagrksej

पूर्वकुलपतिप्रोफेसरस ीमा सिंह का फूलमालाओं, स्मृतिचिन्ह एवंपोर्ट्रेटदेकरसम्मानितकरतेहुए कुलपतिकार्यालय के सदस्यगण

पूर्वकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह का फूलमालाओं, स्मृतिचिन्ह एवंपोर्ट्रेटदेकरसम्मानितकरतेहुए कुलसचिवकार्यालय के सदस्यगण

पूर्वकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह का फूलमालाओं, स्मृतिचिन्ह एवंपोर्ट्रेटदेकरसम्मानितकरतेहुए वित्तविभाग के सदस्यगण

पूर्वकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह का फूलमालाओं, स्मृतिचिन्ह एवंपोर्ट्रेटदेकरसम्मानितकरतेहुए परीक्षा विभाग एवं एवंसमस्तविद्या शाखाओं के सदस्यगण

पूर्वकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह का फूलमालाओं, स्मृतिचिन्ह एवंपोर्ट्रेटदेकरसम्मानितकरतेहुए समस्तविद्या शाखाओं के सदस्यगण

पूर्वकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह का फूलमालाओं, स्मृतिचिन्ह एवंपोर्ट्रेटदेकरसम्मानितकरतेहुए क्षेत्रीय केन्द्र एवंसमस्तविद्या शाखाओं के सदस्यगण

डॉ0 सतीशचन्द्रजैसल

श्रीमती सीमा सिंह

श्री डी0 पी0 सिंह

प्रो0 सत्यपालतिवारी

प्रो0 जे0 पी0 यादव

प्रो0 श्रुति

प्रो0 प्रशान्तकुमारस्टालिन

डॉ0 आर0 जे0 मौर्या

प्रो0 छत्रसाल सिंह

प्रो0 मीरापाल

इस अवसरपर डॉ0सतीशचंद्रजैसल, श्रीमती सीमा सिंह, श्री डी0 पी0 सिंह, प्रोफेसरसत्यपालतिवारी, प्रोफेसर जे0 पी0 यादव, प्रोफेसरश्रुति, डॉ0रामजन्ममौर्य, प्रोफेसर पी0 के0स्टालिन, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह एवंप्रोफेसरमीरापालआदि ने विचारव्यक्तकिए।

विश्वविद्यालय की कार्यविधिकोकरीब से समझने का अवसरमिला : उपेंद्रकुमार सिंह

समारोह के विशिष्टअतिथिरेलवे के पूर्ववरिष्ठअधिकारीश्रीउपेंद्रकुमार सिंह ने कहाकि यूंतोप्रयागराजमेंपढ़ाई के दौरानकईवर्षवेहॉस्टलमेंरहेतथारेलवेमेंसेवाकाल के दौरानकईवर्षउन्होंने यहांगुजारेलेकिनकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह के साथविगत 3 वर्षों का प्रयागराजमेंउनकाप्रवासअद्भुतरहा।विश्वविद्यालय की कार्यविधिकोकरीब से समझने का अवसरमिला।विश्वविद्यालय मेंहोनेवालेदैनिककार्यक्रमों की सूचना के स्रोतमुक्तचिंतनमेंविश्वविद्यालय की विकास यात्रा का वर्णनसमाहितरहताहै।श्री सिंह ने कहाकिविश्वविद्यालय ने विगततीनवर्षोंमेंकाफीप्रगति की है, साथहीआशाव्यक्त की किप्रोफेसरअखिलेश सिंह के

मुलाकातेंहोनाहो याद यादेंआतीरहेंगी: प्रोफेसरसीमा सिंह

समारोह की मुख्य अतिथिउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय की पूर्वकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह ने कहाकिअकादमिक क्षेत्र मेंविश्वविद्यालय ने तेजी से तेजी से प्रगति की है।आजविश्वविद्यालय के शिक्षकों के पासराज्य सरकार द्वारावित्तपोषितरिसर्चप्रोजेक्ट की भरमारहै।उन्होंनेकहाकिजबवह यहांआईंतबसिर्फ एक शिक्षक के पासप्रोजेक्टथा।प्रोफेसर सिंह ने कहाकिमैंने यह सिद्ध करने की कोशिश की हैकिप्यार से भीकामलियाजासकताहै।इसकेलिए इमोशनलइंटेलिजेंस का बहुतबड़ामहत्वहै।हमनहींकहतेकिहमारेजैसाबनिए लेकिनमैं जीवन पर्यंत ऐसेहीरहूंगी।अगरआपकोमेराकामपसंदआयाहोतोआपभी ऐसेहीकामकरियेगा।प्रोफेसर सिंह ने कहाकिविगत 3 वर्षोंमेंविश्वविद्यालय की छात्र संख्या 53 हजार से 81 हजारपहुंचनेमेंविश्वविद्यालय के स्टाफ का बहुतबड़ा योगदानहै।प्रवेशार्थियों की संख्या अब एक लाख के लक्ष्य तकपहुंचनेमेंज्यादादूरनहींहै।इसीतरहविश्वविद्यालय ने 16 विषयोंमें शोधकार्यप्रारंभकिया। योग के क्षेत्र मेंविश्वविद्यालय ने काफी ख्यातिअर्जितकी।उन्होंने इस परहार्दिक खुशीव्यक्ति की किवहअपनाउत्तरदायित्वप्रोफेसरअखिलेशकुमार सिंह कोदेकरजारहीहैं।जिनकेनेतृत्वमें यह विश्वविद्यालय औरतेजी से प्रगतिकरेगा।उन्होंनेकहाकिमुक्तविश्वविद्यालय की यादें उनके दिलमेंबसीरहेंगी।मुलाकातेंहोनाहो याद यादेंआतीरहेंगी।

संस्था के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्यजरुरी : प्रोफेसरअखिलेशकुमार

समारोह की अध्यक्षताकरतेहुए विश्वविद्यालय के कुलपतिप्रोफेसरअखिलेशकुमार सिंह ने कहाकिकिसीभी शैक्षणिकसंस्थान के नेतृत्वकर्ता की शक्तिउसकेशिक्षक एवंकर्मचारीहैं। उनके उल्लेखनीय कार्यों के कारणसंस्था समृद्ध होतीहैतथानेतृत्वकर्ता शक्तिशालीहोताहै।प्रोफेसर सिंह ने कहाकिअकेलेकुलपति के पासकोई शक्तिनहींहोती, उसकी शक्तितोआप सब है।प्रोफेसर सिंह ने इस अवसरपरकहाकिहमसबकोविश्वविद्यालय कोआगे बढ़ानेमेंअपनाभरपूरसहयोगप्रदानकरनाहोगा।संस्था का विकासहोगातो यहांकार्यकरनेवालों की स्थितिमेंभीसुधारआएगा।उन्होंनेप्रोफेसरसीमा सिंह के चुम्बकीय व्यक्तित्व की सराहनाकरतेहुए कहाकिजोसमाज की चिंताकरताहैवहहरजगह से लोकप्रियताअर्जितकरताहै।प्रोफेसरसीमा सिंह के अंदर यह नैसर्गिकगुणहैइसीकारणउन्होंने इस विश्वविद्यालय के लोगों के दिलोंमेंअपनीजगहबनाई।

धन्यवादज्ञापनकरतेहुए प्रोफेसरअजेंद्रकुमारमलिक, विज्ञानविद्या शाखा

राष्ट्रगान

dk;ZØe dh dqNvU; >yfd;ka